प्रदेश में एक्वाकल्चर और एग्री एक्सपोर्ट हब की होगी स्थापना

अमर उजाला ब्यूरो

किसानों एवं मछली उत्पादकों की आमदनी में होगी बढ़ोतरी

लखनऊ। प्रदेश में मछली पालकों एवं उत्पादकों की आय बढ़ाने के लिए एक्वाकल्चर आधारभूत संरचना परियोजना स्थापित की जाएगी। इसी तरह जेवर एयरपोर्ट के पास एग्री एक्सपोर्ट हब बनाया जाएगा। इससे किसानों, मछली उत्पादकों एवं निर्यातकों की आय में वृद्धि होगी। मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

प्रदेश में उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल इंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेन्थर्निंग परियोजना (यूपीएग्रीस) चल रही है। इसमें पूर्वांचल के 21 और बुंदेलखंड के सात जिलों को शामिल किया गया है। विश्वबैंक से सहयोग से यह परियोजना छह साल के लिए है।

इसी परियोजना के तहत संयुक्त अरब अमीरात की बहुराष्ट्रीय कंपनी एक्याब्रिज को एक्वाकल्चर आधारभूत संरचना की परियोजना का जिम्मा दिया जा रहा है। इसी तरह कर्नाटक के इनोवा फूड पार्क को जेवर हवाई अड्डे के निकट एग्री एक्सपोर्ट हब की स्थापना का जिम्मा दिया गया है।

एक्वाकल्चर और एग्री एक्सपोर्ट परियोजना

प्रदेश के मछली पालकों के लिए स्थापित की जार ही इस परियोजना में करीब चार हजार करोड़ से विश्व स्तरीय ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना होगी। विभिन्न देशों में मत्स्य उत्पाद निर्यात करने के लिए एक बाय-बैंक व्यवस्था स्थापित होगी। वहीं जेवर एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित एग्री एक्सपोर्ट हब में उत्पादों के सभी प्रकार की जांच एवं उपचार की सुविधा एक ही स्थान पर मिलेगी। कार्गो प्लेन के माध्यम से मध्य पूर्व एवं यूरोप, रूस व अन्य देशों को कृषि/औद्यानिक उत्पादों निर्यात की व्यवस्था बनाई जाएगी।